टीकमगढ़ जिले का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास

(चौथी शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी तक)

- डॉ. माधव सिंह रायकवार
- डॉ. संतोष कुमार वाजपेयी

Scanned with OKEN Scanner

महाराजा विक्रमाजीत (1783 ई.) के आराध्यदेव टीकम (श्रीकृष्ण) के नाम पर बसा टीकमगढ़ महाजनपद युग में चेदी महाजनपद के अन्तर्गत रहा। कालक्रमानुसार विविध राजवंशों के उत्थान-पतन में इसका अस्तित्व बना रहा है। पूर्व मध्य काल में चन्देल राजवंश द्वारा इसका पल्लवन एव परिवर्द्धन हुआ इस अंचल में अनेक धर्म एवं सम्प्रदायों का उदय एवं विकास हुआ, जिसमें से ब्राह्मण एवं जैन धर्म का विशेष महत्व है। डॉ. माधव सिंह रायकवार द्वारा प्रस्तुत इस ग्रंथ में टीकमगढ़ जिले का चौथी शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी तक का राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक इतिहास के साथ ही, मूर्तिकला, स्थापत्य कला, सिक्कों तथा अभिलेखों का विस्तृत विवेचन हुआ है।

इस ग्रन्थ से टीकमगढ़ जिले के बहु–आयामी इतिहास का ज्ञान प्राप्त होता है। यह ग्रन्थ टीकमगढ़ जिले के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन की दृष्टि से विद्वतजनों, शोध छात्रों तथा सामान्यजन के लिए उपयोगी होगा।

प्रो. नागेश दुबे
विभागाध्यक्ष
प्राचीन भारतीय इतिहास,
संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,
डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

© लेखक - डॉ. माधव सिंह रायकवार

टीकमगढ़ जिले के राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास का एक अध्ययन (चौथी शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी तक)

प्रथम संस्करण – सितम्बर 2015

मूल्य– 325/–

ISBN : 978-81-89740-92-4

वितरक - प्रांजल प्रकाशन,
एकांकी मार्ग, सागर, मो. 7694052106

अक्षर संयोजन - रॉयल कम्प्यूटर्स
वनवे रोड, सागर (म.प्र.) 470 002
दूरभाष 07582-244289, 9425452106

प्रकाशक - कृष्णा कम्प्यूटर्स, सागर

अनुक्रमणिका

1. प्राक्कथन iii

2. आभार ix

3. **प्रथम अध्याय** 01

प्रस्तावना :– विषय का महत्व, विषय से संबंधित अब तक किया गया कार्य, भौगोलिक पृष्ठभूमि, टीकमगढ़ जिले के प्राचीन कला केंद्र।

4. **द्वितीय अध्याय** 17

चौथी शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी तक का राजनीतिक इतिहास।

5. **तृतीय अध्याय** 35

सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति

1. सामाजिक स्थिति

(अ) चौथी शती ईसवी से छठी शती ईसवी की सामाजिक स्थिति।

(ब) सातवीं शती ईसवी से नौवीं शती ईसवी की सामाजिक स्थिति।

(स) दसवीं शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी की सामाजिक स्थिति।

2. आर्थिक स्थिति

(अ) चौथी शती ईसवी से छठी शती ईसवी की आर्थिक स्थिति।

(ब) सातवीं शती ईसवी से नौवीं शती ईसवी की आर्थिक स्थिति।

(स) दसवीं शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी की आर्थिक स्थिति।

6. **चतुर्थ अध्याय** 83

धार्मिक स्थिति

(अ) चौथी शती ईसवी से छठी शती ईसवी की धार्मिक स्थिति।

(ब) सातवीं शती ईसवी से नौवीं शती ईसवी की धार्मिक स्थिति।

(स) दसवीं शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी की धार्मिक स्थिति।

Scanned with OKEN Scanner

7. पंचम अध्याय 105

मूर्तिकला – वैदिक पौराणिक धर्म की प्रतिमाएँ, विष्णु प्रतिमाएँ, प्राचीन साहित्य में स्थान, सौम्य मूर्तियाँ, उमा महेश्वर, आलिंगन मुद्रा, नवग्रह प्रतिमाओं का विकास, जैन प्रतिमाओं का विकास, जैन प्रतिमाओं लक्षण।

8. षष्ठ अध्याय 141

स्थापत्यकला – प्रतिहार कालीन मंदिरों की शैलियाँ, प्रतिहार कालीन मंदिर का स्थापात्य (अ) सूर्य मंदिर,

9. सप्तम अध्याय 153

सिक्के तथा अभिलेख

(अ) राजनीतिक इतिहास, धार्मिक स्थिति, सामाजिक स्थिति, आर्थिक दशा, ललित कलाएँ, लिपि और भाषा

(ब) आहत सिक्के बनाने की विधि, चिह्न, उत्कीर्ण चिन्हों का अभिप्राय, गुप्त सिक्के, गुर्जर प्रतिहार सिक्के, चन्देल सिक्के

अभिलेखों का वर्णन, अभिलेखें का महत्व

(अ) राजनीतिक इतिहास

(आ) सामाजिक इतिहास

(इ) आर्थिक स्थिति

(ई) धार्मिक स्थिति

. अष्टम अध्याय

संदर्भ ग्रंथ सूची 179

चित्र सूची 186

194

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. माधव सिंह रायकवार

नाम	–	डॉ. माधव सिंह रायकवार
जन्म तिथि	–	19.09.1979
शिक्षा	–	एम.ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व) एम.फिल, पीएच. डी.
एम.फिल. शीर्षक	–	सागर संभाग की शैल चित्रकला
पीएच. डी.शीर्षक	–	टीकमगढ़ जिले के राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास का एक अध्ययन (चौथी शती ईसवी से बारहवीं शती ईसवी तक)
प्रकाशित शोध–पत्र	–	टीकमगढ़ जिले के प्राचीन कला केन्द्र
	–	बुन्देलखण्ड के टीकमगढ़ जिले की वैष्णव प्रतिमाएं
	–	सागर जिले की शैल चित्र कला
	–	ललितपुर जिले की जैन प्रतिमायें
	–	गुप्त कालीन मूर्तिकला का सौन्दर्यात्मक अध्ययन
	–	छतरपुर जिले की जैन प्रतिमायें
	–	प्राचीन काल में मुद्रा का उद्भव एवं विकास: एक विश्लेषण
सम्प्रति	–	ऐसोसियेट प्रोफेसर स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर
सम्पर्क	–	294, मनोरमा कालोनी, मधुकर शाह वार्ड सागर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

चित्र संख्या – 50

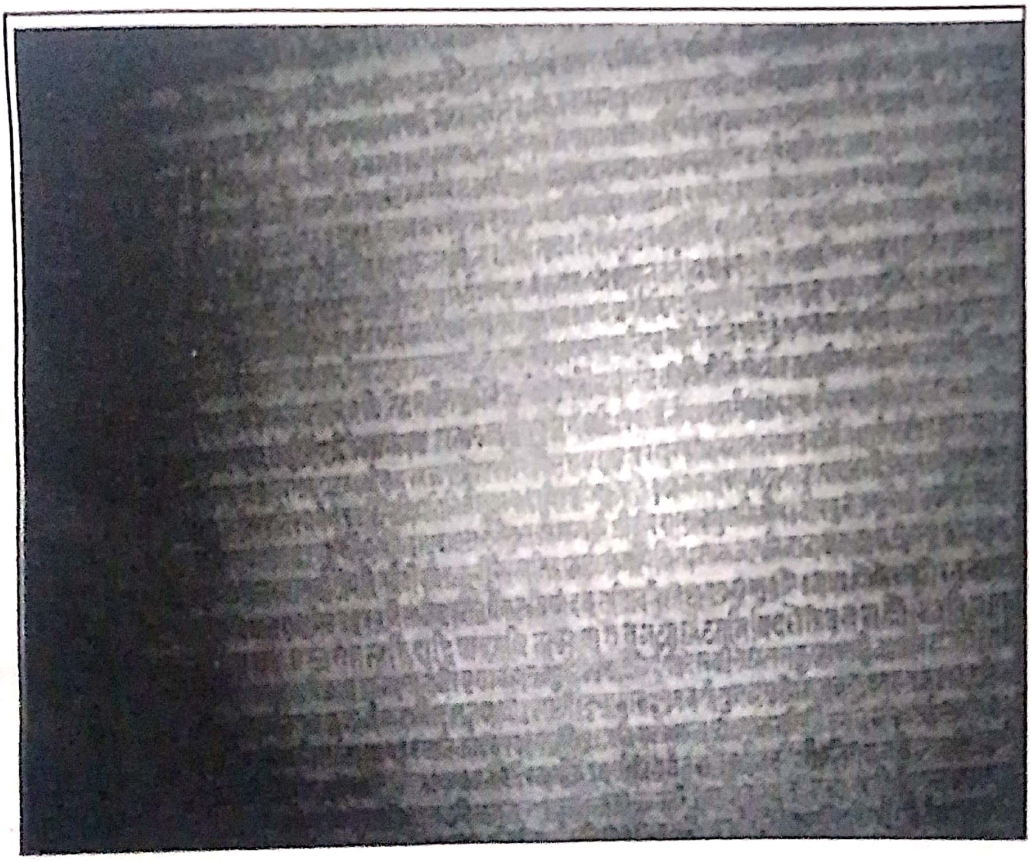

चित्र संख्या – 51

Scanned with OKEN Scanner